

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में प्रख्यात इस्लामी विद्वान डॉ. शेख मोहम्मद अकरम नदवी ने इस्लाम में महिलाएं विषय पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सरोजिनी नायडू महिला अध्ययन केंद्र ने डॉ. जाकिर हुसैन इस्लामिक अध्ययन संस्थान के सहयोग से 24 अप्रैल, 2025 को जामिया के मीर अनीस हॉल में "अनपैकिंग दि मिथ्स : सेपरेटिंग फ़ैक्ट फ़्रोम फिक्शन अबाउट विमेन इन इस्लाम " शीर्षक से विशेष विस्तार व्याख्यान आयोजित किया।

प्रसिद्ध ब्रिटिश इस्लामी विद्वान डॉ. शेख मोहम्मद अकरम नदवी ने यह व्याख्यान दिया। पूर्व में कैम्ब्रिज इस्लामिक कॉलेज के डीन और वर्तमान में अल-सलाम संस्थान के प्रिंसिपल और अपनी बहु-खंड पुस्तक अल-मुहद्दीत के लिए प्रसिद्ध, जो इस्लामी इतिहास में महिला विद्वानों का दस्तावेजीकरण करती है, वे इस्लामी न्यायशास्त्र और हदीस के प्रमुख अधिकारी हैं जिन्होंने अपनी शिक्षाओं से वैश्विक दर्शकों को प्रेरित किया है।

कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र कुरान के भावपूर्ण पाठ से हुई और तदुपरांत सरोजिनी नायडू महिला अध्ययन केंद्र की मानद निदेशक प्रो. निशात जैदी ने गर्मजोशी से स्वागत किया। वक्ता का परिचय डॉ. जाकिर हुसैन इस्लामिक अध्ययन संस्थान के मानद निदेशक प्रो. हबीबुल्लाह खान ने दिया। प्रो. हबीबुल्लाह ने इस्लामी विद्वत्ता में डॉ. नदवी के विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त योगदान, विशेष रूप से लैंगिकता और हदीस पर उनके काम की प्रशंसा की।

डॉ. नदवी के अपने व्याख्यान ने हॉल में मौजूद बड़ी संख्या में दर्शकों को आकर्षित किया, क्योंकि उन्होंने इस्लाम में महिलाओं के बारे में रूढ़िवादिता को खत्म करने के लिए खुले संवाद का आग्रह किया। उन्होंने अपनी 40 खंडों वाली महान कृति, अल-मुहद्दीत: इस्लाम की महिला विद्वान का संदर्भ दिया जिसमें महिला इस्लामी विद्वानों के योगदान का वर्णन किया गया है। वक्ता ने कठोर विद्वत्ता और इस्लाम की उचित समझ के माध्यम से ऐतिहासिक आख्यानों, सामान्यीकरणों, मिथकों और पितृसत्तात्मक धारणाओं का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए एक सम्मोहक बातें प्रस्तुत कीं। संस्कृतियों के बीच आपसी सम्मान और समझ के उनके आह्वान ने उपस्थित लोगों के बीच जीवंत चर्चाओं को जन्म दिया जिसने आज की विविधतापूर्ण दुनिया में व्याख्यान की प्रासंगिकता को मजबूत किया।

व्याख्यान के उपरांत माननीय कुलपति प्रो. मजहर आसिफ ने अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने समावेशी संवाद के प्रति जामिया मिल्लिया इस्लामिया की प्रतिबद्धता पर बल दिया और मुस्लिम समाज को आकार देने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर रोशनी डाली। उन्होंने श्रोताओं से अपने जीवन में महिलाओं की समानता का अभ्यास करने और महिलाओं का सम्मान करने वाले समाज को आकार देने का आग्रह किया।

सम्मानित उपस्थित लोगों में प्रो. मोहम्मद मुस्लिम खान (डीन, सामाजिक विज्ञान संकाय), प्रो. इक्तिदार खान (डीन, मानविकी और भाषा संकाय), प्रो. कौसर मज़हरी, सरोजिनी नायडू महिला अध्ययन केंद्र और डॉ. जाकिर हुसैन इस्लामिक अध्ययन संस्थान के संकाय सदस्यों और कर्मचारीगणों के अतिरिक्त

सामाजिक विज्ञान, मानविकी और भाषा संकायों तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न केंद्रों के शिक्षक, शोधकर्ता और छात्र शामिल थे।

सरोजिनी नायडू महिला अध्ययन केंद्र की डॉ. तरन्तुम सिद्धीकी ने कार्यक्रम का संयोजन और संचालन किया। सरोजिनी नायडू महिला अध्ययन केंद्र के एम.ए. जेंडर स्टडीज से वैभव, जोयबा, गार्गी मिश्रा, शुभांगी, रैयाह कमर और सुश्री फातिमा जोहरा सहित समर्पित स्वयंसेवकों ने सहज अनुभव सुनिश्चित किया।

प्रो. निशात जैदी ने वक्ता को धन्यवाद देते हुए कहा, "डॉ. नदवी का व्याख्यान गलत धारणाओं को चुनौती देने और सूचित संवाद को अपनाने का एक स्पष्ट आह्वान है।" उन्होंने आगे यह भी कहा कि "उनकी विद्वता हमें समानता एवं समझ की खोज में परंपरा और आधुनिकता को जोड़ने के लिए प्रेरित करती है।"

सत्र का समापन प्रासंगिक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ जिसमें छात्रों ने वक्ता से प्रासंगिक प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं को संतुष्ट किया।

औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन एमए जेंडर स्टडीज की छात्रा गार्गी मिश्रा ने प्रस्तुत किया।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी
जामिया मिल्लिया इस्लामिया